University in News on 10 April 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

सम सेमेस्टर परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरने के लिए पोर्टल खोल दिया गया है। विद्यार्थी वेबसाइट पर स्नातक, परास्नातक व डिप्लोमा कोर्सों के लिए नियमित, बैकपेपर, इम्प्रूवमेन्ट व इक्जेम्टेड परीक्षा के ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। इसकी अंतिम तिथि 26 अप्रैल है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि नियमित छात्रों को परीक्षा फॉर्म के साथ अलग से शुल्क जमा नहीं करना है। वे केवल ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरकर सेमेस्टर की शुल्क रसीद के साथ विभागाध्यक्ष या संकायाध्यक्ष कार्यालय में जमा करेंगे।

29 अप्रैल तक विद्यार्थी भर सकेंगे फॉर्म

जमा परीक्षा फॉर्म को संकायाध्यक्ष या विभागाध्यक्ष कार्यालय को ऑनलाइन माध्यम से अग्रसारित करते हुए सूची 29 अप्रैल तक परीक्षा विभाग में जमा करनी होगी। संबद्ध कॉलेजों के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों को ऑनलाइन भरे गए परीक्षा फार्म को तय परीक्षा शुल्क के साथ अपने कॉलेज में जमा करना होगा। इसके बाद वे ऑनलाइन भरे परीक्षा फॉर्म को लॉगिन से अग्रसारित करेंगे।

राष्ट्रगौरव की परीक्षा पास करना जरूरी : स्नातक एनईपी पाठ्यक्रम में सत्र 2024-25 से प्रवेशित छात्रों के लिए राष्ट्रगौरव की परीक्षा पास करना अनिवार्य है। बीते वर्षों में यदि कोई छात्र राष्ट्रगौरव की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सका है तो वह परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरकर परीक्षा में शामिल हो सकता है।

परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक ऑनलाइन भरे गए परीक्षा फार्म में त्रुटि या समस्या आने पर विद्यार्थी परीक्षा विभाग से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर 7897999211, 7897992064 और व्हाट्सएप नंबर 7897992062, लैंडलाइन नंबर 0522-4150500 या ई-मेल आईडी lu.support@stpLco.in का सहारा ले सकते हैं। (संवाद)

लविवि ने मारी बाजी

लखनऊ। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अंतरराष्ट्रीय छात्रों की मेजबानी करने में लविवि ने शानदार प्रदर्शन किया है। उच्च शिक्षण संस्थानों में लविवि ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में शीर्ष स्थान हासिल किया है। बनारस हिंदू विश्वविद्याल ने दूसरा स्थान हासिल किया है। यह जानकारी आईसीसीआर के उप-क्षेत्रीय निदेशक अरविंद कुमार ने दी। लविवि के एपी सेन सभागार में आईसीसीआर के 75वीं वर्षगांठ समारोह का आयोजन हुआ। (संवाद)

विधिक सेवाओं की दी जानकारी

लखनऊ। लविवि में विधि संकाय के प्रो. बोनो क्लब की ओर से मां चंद्रिका देवी मंदिर परिसर में विधिक सहायता व जागरूकता शिविर लगाया गया। मुख्य अतिथि विधि संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने ग्रामीणों से कहा कि न्याय तभी साकार होगा, जब उसकी जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगी। ग्रामीणों को विधिक सेवाओं की जानकारी दी गई। (संवाद)

लविवि के 20 छात्रों को एचसीएल में मिली नौकरी

लखनऊ। लविवि की केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एचसीएल टेक्नोलॉजीस कंपनी ने 20 छात्रों का चयन किया। ग्रेजुएट ट्रेनी पद के लिए इन्हें 2.4 लाख रुपये सालाना पैकेज पर नियुक्त किया गया है। चयनितों में बीकॉम की लावण्या सिंह, जोया अख्तर बेग, शगुन सिंह, वैष्णवी वर्मा, तान्या अवस्थी, अनन्या सिंह व सुमेधा पांडेय और बीसीए के हमना खान, सात्विक वारी, मयंक जायसवाल, कीर्ति सिंह, प्रिशा सिंह व मुदित मेहरोत्रा हैं। बीबीए के देवांश भट्ट, निखिल सिंह व अश्वनी सिंह, बीए की श्रेया मौर्य और बीकॉम ऑनर्स की इशिता आनंद, शाश्वत चतुर्वेदी व अरुणिमा जायसवाल को भी नियुक्ति मिली है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

NBT PAGE 3

LU सभी विश्वविद्यालयों से आगे, पढ़ रहे सबसे ज्यादा विदेशी छात्र

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: विदेशी स्टूडेंट्स को पढ़ाने में एलयू प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों से आगे निकल गया है। यूपी में अब सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स एलयू में पढ़ रहे हैं। वीएनयू को पछाड़ कर एलयू टॉप पर पहुंचा है। यूपी के अलावा उत्तराखंड के किसी संस्थान में भी इतने स्टूडेंट्स नहीं हैं। यह बातें आईसीसीआर के उप क्षेत्रीय निदेशक अरविंद कुमार ने बुधवार को इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन के 75वां स्थापना दिवस समारोह में कही। एलयू के एपीसेन सभागार में बुधवार को हुए समारोह में तीन सौ से अधिक विदेशी स्टूडेंट्स शामिल हुए। वीसी प्रो. आलोक राय ने कहा कि हमने अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स के लिए एक ऐसा वातावरण तैयार किया है जो ज्ञान सृजन और बौद्धिक खोज को प्रोत्साहित करता है।

इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन का 75वां स्थापना दिवस

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां: समारोह के दौरान विदेशी स्टूडेंट्स ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। अफगानिस्तान के मसीह अलहम ने अन्य स्टूडेंट्स के साथ गीत पेश किए। बांग्लादेश के अनंत साहा ने डायमंडल जुबली पर आधारित गीत पेश किया।

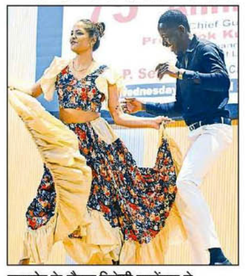

समारोह के दौरान विदेशी स्टूडेंट्स ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

एंड सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म जारी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में गई में होने वाली एंड सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए विवि की ओर से परीक्षा फॉर्म जारी कर दिए गए हैं। विवि की वेबसाइट पर अभ्यर्थी 26 अप्रैल तक परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। जल्द ही विवि की ओर से परीक्षा का शेड्यूल भी जारी कर दिया जाएगा। परीक्षा फॉर्म के प्रिंटआउट के साथ सिर्फ फीस रसीद जमा करनी होगी। संबंधित जानकारी के लिए विवि के हेल्पलाइन नंबर 7897999211, 7897992064 पर संपर्क कर सकते हैं।

i-NEXT PAGE 4

विदेशी स्टूडेंट्स ने खूब बढ़ाई रौनक

लखनऊ विश्वविद्यालय में मनाया गया आईसीसीआर का 75वां स्थापना दिवस

LUCKNOW (9 April) : देशी-विदेशी संस्कृतियों के सुमन खिले तो भारतीयता का उपवन गमकने लगा. भारतीय कलाकारों संग विदेश के विद्यार्थियों ने सुरों की सरिता प्रवाहित की. पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियां भी दीं. इससे लोकबाग आनंद-विभोर हो उठे. लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन प्रेक्षागृह में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के 75वें स्थापना दिवस की संध्या देर तक इन सांस्कृतिक कुसुमों से सुवासित रही.

300 स्टूडेंट्स हुए शामिल

लखनऊ विश्वविद्यालय और अंबेडकर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले लगभग 300 विदेशी विद्यार्थियों ने बुधवार शाम की रौनक बढ़ाई. अफगानिस्तान के मसीह एलहम के साथ शिवानी माया ने 'धीरे धीरे से मेरी जिंदगी में आना...', 'हमें और जीने की चाहत न होती अगर तुम न होते...', 'ये सिला मिला मुझको तेरी दोस्ती के पीछे...', 'ऐ मेरी जोहरा जबीं तुझे मालूम नहीं...' जैसे गीतों के सुर छेड़े तो सब आनंदित हो गए,

विदेशी विद्यार्थियों की मेजबानी में एलयू शीर्ष पर

आईसीसीआर के क्षेत्रीय निदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि परिषद द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की मेजबानी करने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में शीर्ष स्थान पर है. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय दूसरे स्थान पर है. लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि सांस्कृतिक दक्षता वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है.

कथक नृत्य ने बांधा समां

डा. अदिति थापलियाल ने कथक प्रस्तुत कर अनंद को और बढ़ाया. कीबोर्ड पर विनोद कुमार, ढोलक पर योगेश पांडेय, अक्टोपैड पर कुलदीप सैनी ने संगत की. अर्नव सहा (बांग्लादेश) व लेखक प्रो. आरपी सिंह को सुनने के बाद डीको (माली) व नंदनी जुमुक (मरीशस) ने मारीशस का नृत्य प्रस्तुत किय. अंगोला के डोरकास तेंवो संवो, कंबोडिया के एम. एन., म्यांमार के मया पवित्र पयू, फिजी की पूर्णिमा पुष्या दिन, नामीबिया की मारिया रुबेन, मारीशस की ऐश्वर्या देमकाह, सूडान के ओमेर एल्फाल ओमेर अबदल्ला ने भारत से जुड़े अनुभव साझा किए. प्रो. अरपी सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

PIONEER PAGE 3

आईसीसीआर प्रायोजित छात्रों की मेजबानी करने में एलयू अव्वल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय छात्रों की मेजबानी करने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में शीर्ष स्थान पर रहा है। जबकि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय दूसरे स्थान पर है। बुधवार को यह जानकारी आईसीसीआर के उप-क्षेत्रीय निदेशक अरविंद कुमार ने दी। आईसीसीआर और लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 75वीं वर्षगांठ के समारोह में एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विकसित समाज में सांस्कृतिक संवाद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक दक्षता वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत अंतरराष्ट्रीय छात्र सांस्कृतिक समावेशन की नई दिशाएं अनुभव करते हैं और अपनी सांस्कृतिक समझ को विकसित करते हैं। प्रो. राय ने यह भी कहा कि किसी भी सफल शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र में अकादमिक उत्कृष्टता, गुणवत्तापूर्ण शोध और सांस्कृतिक विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने लवि में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक ऐसा वातावरण विकसित करने की बात कही जो ज्ञान सृजन और बौद्धिक खोज को प्रोत्साहित करता है— जो विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य प्रकाश और ज्ञान को साकार करता है। उनका संबोधन, जो सांस्कृतिक संवाद और अकादमिक प्रगति पर केंद्रित था, उनके समग्र विकास और सांस्कृतिक समृद्धि को प्राथमिकता देने वाले शैक्षणिक नेतृत्व दर्शन को दर्शाता है।

AMRIT VICHAR PAGE 6

डीको व नंदनी का नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

विभिन्न देशों के कलाकारों ने दिखाई गीत, संगीत और नृत्य में प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् और लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद (आईसीसीआर) ने अपना 75वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के एपी सेन हाल में किया गया।

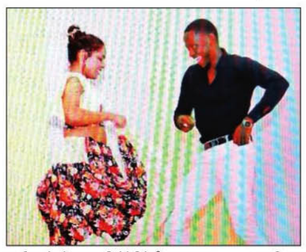

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते विदेशी कलाकार। अमृत विचार

भावपूर्ण अभिनय करती भारतीय कलाकार। अमृत विचार

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद की स्थापना 1950 में विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और विश्व के साथ सांस्कृतिक सम्बन्धों को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी। इसकी गतिविधियों में सांस्कृतिक, शैक्षणिक और बौद्धिक आदान प्रदान के साथ साथ भारतीय कला, इतिहास, मौखिक परम्पराओं, नृत्य, संगीत, योग, भाषाओं, भोजन, त्योहारों और समसामयिक मुद्दों पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विदेशी में भारत की संस्कृति को बढ़ावा देना शामिल है।

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद भारत में अध्ययन करने के लिए विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृति योजना भी संचालित करती है। परिषद सांस्कृतिक कूटनीति में लगी एक प्रतिष्ठित संस्था है और भारत एवं साझेदार देशों के मध्य बौद्धिक आदान प्रदान की प्रायोजक है।

▸▸ भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद का 75वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

इस कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय और बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय से बड़ी संख्या में विदेशी छात्र एवं छात्राएं शामिल हुए। परिषद के क्षेत्रीय निदेशक अरविन्द कुमार ने संस्थान की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम में डॉ. अदिति थपलियाल का कथक नृत्य, बांग्लादेश के अर्नब साहा द्वारा प्रस्तुत आईसीसीआर का हीरक जयन्ती गीत और मारीशस के डीको और नंदनी जुमुक का नृत्य ख़ास आकर्षण का केंद्र रहा। अंगोला के डोरकास तेम्बो संबो, कम्बोडिया के एमएन, म्यांमार की मया पवित्र पयू, फिजी की पूर्णिमा पुष्या दिन, नामीबिया की मारिया रुबेन, मारीशस की ऐश्वर्या देमकाह, रूस के जोहिद, यूगांडा के ओमोडिंग डेनियल और सूडान के ओमेर एल्फाल ओमेर अबदल्ला का कार्यक्रम भी लोगों ने पसंद किया। अफगानिस्तान के मसीह एलहम व उनके दल तथा शिवानी माया ने फ़िल्मी संगीत प्रस्तुत किया। संगत कलाकारों में कीबोर्ड पर विनोद कुमार, ढोलक पर योगेश पांडे, आक्टोपैड पर कुलदीप सैनी शामिल रहे।

लवि : 20 विद्यार्थियों का एचसीएल में चयन

लखनऊ: लवि के 20 छात्र-छात्राओं का चयन एचसीएल टेक्नोलाजीज में ग्रेजुएट ट्रेनी पद पर हुआ है। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ड्राइव में बी.काम, बीसीए, बीबीए और बीए के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टाक, पैनल डिस्कशन और एचआर राउंड शामिल थे। चयनित विद्यार्थियों को सालाना 2.4 लाख रुपये का पैकेज मिलेगा। कुलपति प्रो. आलोक राय और प्लेसमेंट सेल प्रमुखों ने चयनितों को बधाई दी। (जासं)

प्रतियोगिता में महिमा प्रथम

लखनऊ: लवि के मैत्री भवन में डा. भीमराव अंबेडकर की जन्मशताब्दी पर भाषण प्रतियोगिता के दूसरे चरण का आयोजन हुआ। इसमें विश्वविद्यालय और उससे जुड़े कालेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विषय संविधान, तकनीक, सामाजिक विषमता और विकसित भारत से जुड़े थे। महिमा कन्नौजिया को प्रथम और देवराज सिंह को द्वितीय स्थान मिला। निर्णायक मंडल में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शामिल थे। यह कार्यक्रम अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा के निर्देशन में हुआ। (जासं)

टीबी मरीजों को पोषण पोटली

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग और पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने बुधवार को टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देशानुसार टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत यह कार्यक्रम हुआ। प्रो. राकेश द्विवेदी ने बताया कि पोषण पोटली में सतू, मूंगफली, बादाम, गुड़ जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं, जो मरीजों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक, शोधार्थी और छात्र भी उपस्थित रहे। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE III

संस्कृतियों से गमका भारतीयता का उपवन

लखनऊ विश्वविद्यालय में मनाया गया आइसीसीआर का 75वां स्थापना दिवस

- 300 विदेशी विद्यार्थियों ने बुधवार शाम की बढ़ाई रौनक
- भारतीय कलाकारों ने सुरों की सरिता प्रवाहित की

जासं • लखनऊ : देशी-विदेशी संस्कृतियों के सुमन खिले तो भारतीयता का उपवन गमकने लगा। भारतीय कलाकारों संग विदेश के विद्यार्थियों ने सुरों की सरिता प्रवाहित की। पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियां भी दीं। इससे लोकबाग आनंद-विभोर हो उठे। लवि के एपी सेन प्रेक्षागृह में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के 75वें स्थापना दिवस की संध्या देर तक इन सांस्कृतिक कुसुमों से सुवासित रही।

लवि और अंबेडकर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले लगभग 300 विदेशी विद्यार्थियों ने बुधवार शाम की रौनक बढ़ाई। अफगानिस्तान के मसीह एलहम के साथ शिवानी माया ने 'धीरे धीरे से मेरी जिंदगी में आना...', 'हमें और जीने की चाहत न होती अगर तुम न होते...', 'ये सिला मिला मुझको तेरी दोस्ती के पीछे...', 'ऐ मेरी जोहरा जबीं तुझे मालूम नहीं...' जैसे गीतों के सुर छेड़े तो सब आनंदित हो गए। डा. अदिति थपलियाल ने सुंदर कथक प्रस्तुत कर इस आनंद को और बढ़ाया। कीबोर्ड पर विनोद कुमार, ढोलक पर योगेश पांडेय, अक्टोपैड पर कुलदीप सैनी ने संगत की. अर्नव सहा (बांग्लादेश) व लेखक प्रो. आरपी सिंह को सुनने के बाद डीको (माली) व नंदनी जुमुक (मरीशस) ने मारीशस का नृत्य प्रस्तुत किया। अंगोला के डोरकास तेंवो संवो, कंबोडिया के एम. एन., म्यांमार के मया पवित्र पयू, फिजी की पूर्णिमा पुष्या दिन, नामीबिया की मारिया रुबेन, मारीशस की ऐश्वर्या देमकाह, रूस के जोहिद, युगांडा के ओमोडिंग डेनियल, सूडान के ओमेर एल्फाल ओमेर अबदल्ला ने भारत से जुड़े अनुभव साझा किए। प्रो. आरपी सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

लवि के एपी सेन हाल में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के 75 वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेते छात्र-छात्राएं व प्रस्तुति देते एलन और शिवानी • जागरण

विदेशी विद्यार्थियों की मेजबानी में लवि शीर्ष पर : आइसीसीआर के क्षेत्रीय निदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि परिषद द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की मेजबानी करने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में शीर्ष स्थान पर है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय दूसरे स्थान पर है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि सांस्कृतिक दक्षता वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। किसी भी सफल शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र में अकादमिक उत्कृष्टता, गुणवत्तापूर्ण शोध और सांस्कृतिक विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

कठवारा गांव में लविवि के बोनो क्लब ने किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो. बोनो क्लब द्वारा कठवारा गांव में विधिक जानकारी प्रदान करने और जागरूक बनाने के लिए विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं एवं सरकारी विधिक सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना था। इस अवसर पर विधि संकायाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय तभी साकार होगा जब उसकी जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगी। विधिक शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब उसका लाभ आम जनमानस को मिले। संकाय प्रभारी डॉ. आलोक कुमार यादव ने शिविर की अवधारणा और प्रो बोनो क्लब की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस शिविर में डॉ. नितिन सिंह, डॉ. आनंद सिंह, डॉ. सोनाली, डॉ. श्वेता, डॉ. सुधीर, डॉ. सुशील एवं डॉ. चंद्रशेखर जैसे अनुभवी विधि विशेषज्ञों ने सहभागिता की।

लविवि में परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 26 तक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालय के स्नातक व परास्नातक समेत डिप्लोमा की सम सेमेस्टर-2025 के नियमित, बैक पेपर, इम्प्रूवमेन्ट एवं इक्जेम्टेड परीक्षा के ऑनलाइन परीक्षाफार्म www.lkouniv.ac.in पर भरने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल निर्धारित की गई है। स्नातक एनईपी पाठ्यक्रम में सत्र 2024-25 से प्रवेशित छात्रों हेतु राष्ट्रगौरव लागू किया गया है, जिसे उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। साथ ही विगत वर्षों में यदि कोई छात्र अपनी राष्ट्रगौरव की परीक्षा उत्तीर्ण नही कर सके है तो वह अपना परीक्षाफार्म ऑनलाइन माध्यम से भरकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमित छात्रों को परीक्षाफार्म के साथ अलग से कोई शुल्क नही जमा करना है। ऑनलाइन परीक्षाफार्म भरकर सेमेस्टर की शुल्क रसीद के साथ सम्बन्धित विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष कार्यालय में जमा करना है। परीक्षाफार्मों को ऑनलाइन माध्यम से अग्रसारित करते हुए सूची 29 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से परीक्षा विभाग विश्वविद्यालय में जमा करना है। बैकपेपर, इम्प्रूवमेन्ट, इक्जम्टेड छात्रों को ऑनलाइन परीक्षाफार्म भरकर ऑनलाइन परीक्षा शुल्क ऑनलाइन जमा करते हुए सम्बन्धित संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष कार्यालय में जमा करना है। सहयुक्त महाविद्यालयों के समस्त कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को ऑन लाइन भरे गये परीक्षाफार्म को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित परीक्षा शुल्क के साथ अपने महाविद्यालय में जमा करना है। छात्रों द्वारा ऑनलाइन भरे गये परीक्षा फार्म में किसी प्रकार की त्रुटि, समस्या हेतु हेल्प लाइन नंबर 7897999211, 7897992064 वाट्सएप 7897992062, 0522-4150500 या ईमेल lu.support@otpl.co.in पर मेल कर सकते है।

भाषा विवि में इंजीनियरिंग की मिड-टर्म परीक्षाएं सम्पन्न

अमृत विचार, लखनऊ : ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में तीन कार्य दिवसों में इंजीनियरिंग की समस्त शाखाओं की मिड-टर्म परीक्षाएं दो पालियों में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कुल 794 विद्यार्थियों ने इन परीक्षाओं में भाग लिया। ये परीक्षाएं पूर्णतः नकल-विहीन, अनुशासित एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न हुईं, जो विश्वविद्यालय की उच्च परीक्षा-व्यवस्था को दर्शाता है। परीक्षाएं प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की गईं प्रथम पाली प्रातः 11 से दोपहर 12 तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2 से 3 तक। परीक्षा आयोजन में नियोजन, निगरानी और समन्वय की सटीक व्यवस्था सुनिश्चित की गई। परीक्षा के सफल संचालन में डॉ. आरके त्रिपाठी, डॉ. शान-ए-फातिमा, डॉ. कौशलेश शाह और डॉ. शाहेज़ सिद्दीकी की सक्रिय एवं प्रभावशाली भूमिका रही, जिन्होंने पूरी परीक्षा प्रक्रिया को सजगता एवं दक्षता से सम्पन्न कराया।

▸▸ राष्ट्र गौरव विषय में उत्तीर्ण करना होगा अनिवार्य

VoL PAGE 6

लविवि के 20 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एचसीएल टेक्नोलॉजीस कंपनी ने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 20 विद्यार्थियों का चयन किया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने सभी चयनित छात्रों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने जानकारी दी कि चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, पैनल डिस्कशन और कैंपस एचआर राउंड जैसे चरण शामिल थे, जिन्हें सफलतापूर्वक पार करते हुए 20 छात्रों ने यह सफलता हासिल की चयनित छात्रों को ग्रेजुएट ट्रेनी पद के लिए वार्षिक 2.4 लाख रुपये के पैकेज पर नियुक्त किया गया है।